स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.ए.) इतिहास

कोड नं. MAHIS01 **Credit – 08**

विश्व इतिहास
(मध्यकालीन समाज एवं क्रांन्ति का युग)

इकाई – 1

यूरोप में सामंतवाद का क्रमिक विकास, यूरोप में मध्यकालीन राजनीतिक विचारधारा और राजनैतिक संगठन, सामंतवाद की श्रेणियां स्वरूप, टर्की की राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज, मध्यकालीन यूरोप समाज का पतन।

इकाई – 2

यूरोप में अठारहवीं शताब्दी में कृषि व्यवस्था, अठारहवीं सदी में यूरोप मे कृषक विद्रोह, नगरों व शहरों का विकास एवं यूरोप में नगरीकरण, कारखाना और श्रमजीवी वर्ग।

इकाई – 3

यूरोप में औद्योगिक अर्थव्यवस्था : कृषि और उद्योग, व्यापारी और व्यापारिक संघों के मध्य संबंध, उदारवाद और शताब्दी में संवैधानिक विकास, अठारहवीं शताब्दी में यूरोप का धार्मिक एवं बौद्धिक जीवन, औद्योगिक क्रांति।

इकाई – 4

उद्योगीकरण के बाद, फ्रांस की क्रान्ति–राज्य का स्वरूप एवं बुद्धिजीवी वर्ग क्रांति, फ्रांस की क्रांति का प्रभाव, नेपोलियन का युग, रूस की अर्थव्यवस्था–एक पृथक संसार, अमेरिकी स्वतन्त्रता संग्राम, अमेरिकी क्रांति का महत्व, अमेरिकी संविधान का निर्माण।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.ए.) इतिहास

कोड नं. MAHIS02 **Credit – 08**

विश्व इतिहास
(राष्ट्रवाद, पूँजीवाद एवं समाजवाद)

इकाई – 1

मैटरनिक व्यवस्था तथा कांग्रेस की कुटनीति, यूरोप में 1830–70 ई. के मध्य कृषि विस्तार पूर्वी समस्या एवं क्रीमिया का युद्ध, इटली का एकीकरण, जर्मनी का एकीकरण।

इकाई – 2

पूर्वी यूरोप में राजनीतिक व राष्ट्रवादी संघर्ष (1856 से 1878 ई.), ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस के संवैधानिक सुधारों और समाजवादी आंदोलनों का तुलनात्मक अध्ययन, रूस में राजनैतिक और आर्थिक आन्दोलन अर्द्धदास प्रथा के अंत तक, यूरोप में नवीन शासनतन्त्र।

इकाई – 3

यूरोप में सामाजिक विचारधारा, संधियों और समझौता की पद्धति – महाद्वीपीय उच्चता की राजनीति, महान शक्तियों में विश्व सर्वोच्चता के लिए प्रतिस्पर्द्धा, सुदूरपूर्व में जापान का उत्थान, साम्राज्यवाद – चीनी और भारतीय साम्राज्यवाद का अध्ययन उसका स्वभाव एवं विकास, साम्राज्यवाद – मिस्त्र, दक्षिणी अफ्रीका तथा मोरक्को के संदर्भ में।

इकाई – 4

बाल्कन में उथल–पुथल व उत्तेजना (बाल्कन युद्ध) 1878–1914, चर्च और राज्य के संबंध, टर्की में समाज सुधार व युवतुर्क आन्दोलन, अमेरिका में काले लोगों का इतिहास, प्रथम विश्व युद्ध के कारण व उसकी पृष्ठभूमि, रूस की क्रांति की बौद्धिक नींव, रूस की क्रांति एवं इसका प्रभाव, लेनिन आंतरिक तथा विदेश नीति।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.ए.) इतिहास

कोड नं. MAHIS03 **Credit – 08**

आधुनिक विश्व का इतिहास
(युद्ध एवं औद्योगिक समाज 1917–1945)

इकाई – 1

सन् 1918 – 1919 का रूपान्तरण और पेरिस समझौता सम्मेलन, सामूहिक सुरक्षा एवं निःशस्त्रीकरण, फ्रांस द्वारा सुरक्षा की खोज, आर्थिक थकान – क्षतिपूर्ति की समस्या, राष्ट्र संघ और अंतर्राष्ट्रीय शान्ति एवं व्यवस्था का उत्थान और पतन।

इकाई – 2

समझौतों द्वारा शान्ति स्थापना–लोकनों व पेरिस समझौता, समझौतों द्वारा शान्ति स्थापना–वाशिंगटन सम्मेलन, नवीन टर्की का जन्म–मुस्तफा कमाल पाशा, नए गणतंत्र–वाइमर रिपब्लिक, समाजवाद का सिद्धान्त–मार्क्स, लेनिन, माओत्सेतुंग।

इकाई – 3

सोवियत संघ का नवीन संविधान, लेनिन की नई आर्थिक नीति, नवीन आर्थिक विचार–केंज के सिद्धान्त, विश्व व्यापार का संकुचन एवं 1929–1931 में गिरावट, गांधी दर्शन एवं अहिंसात्मक आन्दोलन, सामाजिक असन्तोष एवं मजदुर विद्रोह, संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था की सफलता एवं असफलता :रूजवैल्ट की न्यू डील नीति, चतुर्थ विश्व की अर्थव्यवस्था–सुदूर पूर्व में जापान का उत्कर्ष, अंतर्राष्ट्रीय कोमिंटर्न पैक्ट तथा सोवियत विदेश नीति, फासिस्ट राज्य।

इकाई – 4

विश्व राजनीति में नाजियों के उद्देश्य, अर्द्ध सशस्त्र क्रांति'–आस्ट्रिया का अन्त, समझौतों, हमलों की घोषणा– 1939 में शान्ति का विनाश, अफ्रीका संकट–अबीसीनिया का मुद्दा, स्पेन का गृह युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध की पुष्ठभूमि में महान युद्ध नीतियां, भारत में राष्ट्रवाद, ब्रिटिश राष्ट्रमण्डल, सुदूर–पूर्व में संकट–मंचुरिया संकट, द्वितीय विश्व युद्ध की अवधि में सम्मेलन व समझौते।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.ए.) इतिहास

कोड नं. MAHIS04 **Credit – 08**

ऐतिहासिक चिन्तन

इकाई – 1

इतिहास का स्वरूप तथा क्षेत्र, इतिहास प्रगति के समरूप, इतिहास, विज्ञान और नैतिकता, इतिहास और समाज विज्ञान निश्चयात्मक अभिगम।

इकाई – 2

चीनी इतिहास लेखन की भूमिका और उसका स्वरूप, अरबी एवं इस्लामी इतिहास लेखन की परम्परायें, ईसाई धर्म व इतिहास चिन्तन, रॉके के विशेष संदर्भ में इतिहास दर्शन की निश्चयात्मक अभिगम, इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या (मार्क्सवादी सिद्धान्त)।

इकाई – 3

बीसवीं शताब्दी का इतिहास लेखन : स्पैंगलर और टायनबी के संदर्भ में,महाकाव्य, कौटिल्य अर्थशास्त्र व भास के साहित्य की ऐतिहासिक विवेचना, कालीदास – साहित्य, पुराण व हरिषेण की प्रयाग प्रशस्ति की ऐतिहासिक विवेचना, फाहियान, युवान च्यांग और द्वेतसिंग की भारत यात्रा वृतांत।

इकाई – 4

बाबरनामा, अकबरनामा तथा सुजन राय भन्डारी की कृति खुला सतुन्तवारीड, राजस्थान का ख्यात एवं बाट साहित्य, गुजराती रामाला साहित्य का ऐतिहासिक महत्व, भारतीय इतिहास एवं इतिहास लेखन का यूरोपीय मत, स्वतंत्रय – पूर्व भारत में राष्ट्रवादी इतिहास लेखन – आर.सी. दत्त एवं दादा भाई नौरोजी,भारतीय इतिीास लेखन में अधुनातन वृत्तियॉ–परम्परावादी, सम्प्रदायवादी, राष्ट्रवादी मार्क्सवादी, भारतीय लोक साहित्य का ऐतिहासिक दृष्टि से महत्व, इतिहास में तथ्य, इतिहास में वस्तुनिष्ठता, इतिहास में कारण की अवधारणा।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.ए.) इतिहास

कोड नं. MAHIS05 **Credit – 08**

प्राचीन भारत में राज्य एवं राजनीति

इकाई – 1

प्राचीन भारतीय राज्य एवं शासन पद्धति के अध्ययन स्रोत सामग्री, वैदिक काल में राजनीतिक विचार एवं संस्थाएं, महाकाव्यों से ज्ञात राजनीतिक विचार एवं प्रशासनिक संस्थाएँ, प्राचीन भारत में राज्य की उत्पत्ति और स्वरूप, राज्य के प्रकार एव्र कार्य ।

इकाई – 2

प्राचीन भारत में जनपद : स्वरूप व संगठन, प्राचीन भारतीय गणतंत्र और उसकासंविधान, ईसा पूर्व छठी सदी में राज्य और साम्राज्य का उदय, राजस्व (राजतंत्र) – उसकी प्रकृति एवं कर्तव्य, राजत्व का स्वरूप एवं उस पर नियंत्रण, (मर्यादाऐं)।

इकाई – 3

कौटिल्य अर्थशास्त्र में राजनीतिक विचार, प्राचीन भारतीय मंत्री परिषद, प्राचीन भारत राजपुरूष तंत्र, प्राचीन भारत में अन्तर राज्य सम्बन्ध, राज्य एवं उसके संसाधन।

इकाई – 4

प्राचीन भारत में विधि : स्वरूप एवं संहिताकरण, धर्मशास्त्रों में राजनीतिक विचार, प्राचीन भारत में न्यायिक प्रशासन, प्राचीन भारत में अपराध और दंड, प्राचीन भारत सैनिक संगठन, स्थानीय स्वशासन।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.ए.) इतिहास

कोड नं. MAHIS-06 **Credit – 08**

प्राचीन भारत में व्यापार एवं शहरीकरण

इकाई – 1

व्यापार एवं शहरीकरण में अंतः सम्बन्ध, आद्य ऐतिहासिक काल हडप्पा संस्कृतिः व्यापार शहरीकरण, शहरीकरण में ह्रासः वैदिक कालीन आर्थिक जीवन, नगरीकरण दूसरा चरण, प्राचीन भारत में व्यापार एवं वाणिज्य की रूपरेखा।

इकाई – 2

जल एवं स्थल व्यापार मार्ग, परिवहन के साधन तथा निगम, विनियम का माध्यमः तौल एवं माप, मुद्रा प्रणाली, साख अधिकोषण तथा राजस्व, वृतिसंघ (व्यापारिक समुदाय) एवं व्यापारिक वस्तुएं, प्राचीन भारत में श्रेणियां।

इकाई – 3

प्रचीन भारत में विदेशी व्यापार, प्राड्.मौर्य आर्थिक जीवन, व्यापार एवं नगरीकरण, (बौद्ध एवं जैन स्त्रोतों पर आधारित, प्राचीन भारत में व्यापार एवं नगरीकरण का ऐतिहासिक सर्वेक्षण, (मौर्य–शुग–कुषाण काल उत्तरी भारत), मौर्य सातवाहन (दक्षिणी भारत), गुप्तकाल में आर्थिक जीवन।

इकाई – 4

परवर्ती गुप्त – वाकाटक युग के (उत्तर भारत,) परवर्ती गुप्त वाकाटक युग के उपरान्त दक्षिण भारत, भारतीय व्यापार के पतन के प्रमुख कारण, गुप्तकाल में नगरीय केन्द्रों का पतन यथार्थ या मिथ, प्राचीन भारत में मेले और उत्सव।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.ए.) इतिहास

कोड नं. MAHIS -07 **Credit – 08**

मध्यकालीन भारत में प्रशासनिक संस्थाओं का विकास

इकाई – 1

तुर्क विजय के समय भारत का राजनैतिक और कानुनी ढांचा, मुस्लिम विधि में प्रतिबिंबित प्रशासन का सामान्य चरित्र, मध्यकालीन भारत में सम्प्रभुता की प्रकृति, जियाउद्दीन बरनी और अबुल फजल के कार्यो में वर्णित मध्यकालीन भारत में राजनीतिक विचार, विजयनगर साम्राज्य का प्रशासन।

इकाई – 2

दिल्ली सुलतानों का केन्द्रीय प्रशासन, सल्तनतकालीन प्रान्तीय एवं स्थानीय प्रशासन, इक्ता प्रणाली, सल्तनतकालीन भू राजस्व एवं आर्थिक सुधार, शेरशाह के काल में भू– राजस्व एवं सैन्य संगठन।

इकाई – 3

मुगलकाल में भू प्रशासन, मुगलकाल में विधि एवं न्याय, मुगलकालीन सैनिक संगठन, मनसब व्यवस्था, मुगलों का केन्द्रीय प्रशासन।.

इकाई – 4

मुगलकाल में प्रान्तीय प्रशासन, शिवाजी का केंन्द्रीय प्रशासन, मुगलकाल में सामंत वर्ग का संगठन और संरचना, मध्यकालीन भारत में जागीर व्यवस्था ,मध्यकालीन भारत में जमींदार प्रथा।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.ए.) इतिहास

कोड नं. MAHIS-08 **Credit –08**

स्वतंत्रता आंदोलन (1920–1947)

इकाई – 1

स्वतंत्रता आंदोलन के अध्ययन – उपागम, राष्ट्रवाद के उदय के कारण, प्रथम विश्व युद्ध के उपरान्त जनचेतना, रौलट सत्याग्रह, खिलाफत और असहयोग आंदोलन (1920–1922)।

इकाई –2

स्वराज्यवादियों की भूमिका एवं उपलब्धियॉ, साम्प्रदायिकता का विकास (1920–30,) क्रान्तिकारी आतंकवादी गतिविधियां, स्वतंत्रता आन्दोलन में साम्यवादियों का योगदान, साइमन कमीशन और नेहरू रिपोर्ट।

इकाई – 3

सविनय अवज्ञा आन्दोलन और गोलमेज कांफ्रेस, कांग्रेस समाजवादियों का उत्थान एवं विकास, संविधान और कांग्रेस (1935–1937 ई.), भारत छोडो आन्दोलन 1942, मुस्लिम अलगाववाद का विकास (1930–46,)।

इकाई – 4

देशी रियासतें में स्वतंत्रता आंदोलन का सर्वेक्षण, सुभाष बोस और भारतीय राष्ट्रीय सेना (आई.एन.ए). 1946 का नोसैनिक विद्रोह, सत्ता हस्तांजरण की प्रक्रिया, भारत की आजादी और विभाजन।